

# Newspaper Clips

November 5, 2013

Publication: The Times Of India Kolkata; Date: Nov 5, 2013; Section: Times City; Page: 2;

e-paper

## It's raining job offers at IIT Kharagpur

TIMES NEWS NETWORK

**Kolkata:** The volatile market situation coupled with archaic government policies may have dried up opportunities on the job front, but at IIT Kharagpur, offers have started pouring in even before the placement season kicked in.

At least 110 final-year students already have enviable job offers in their kitty. Global giants have recruited best brains of the oldest IIT almost a month before the placement starts on December 1.

The management of the institute is particularly happy with a 100% growth in pre-placement offer figures. In 2011, the

### BUCKING THE TREND

**54** Number of students picked up before placement in 2011

**110** Number of students picked up before placement in 2013

**₹93L** Highest offer made this year

**25** Number of MNCs visited for recruitment



### Notable MNCs that were present

Google US, Deutsche Bank, Microsoft, Unilever, Transoceans, Samsung

number of students picked up by companies before placements stood at 54.

The highest package, offered to a student by Google US, stands at around Rs 93 lakh. At

least 25 global majors have made a beeline for the campus prior to the placement season to ensure that all students are available. Among firms that vied for prospective employees are Google

US, Deutsche Bank, Microsoft, Unilever, Transoceans and Samsung. The departments that have turned out to be favourites include electronics, computer science, IT and core engineering departments like mechanical, civil and electrical.

This year, 2,418 students will be going for placements as against 1,900 last year, according to the institute's placement office. "Our students have managed to bag plum jobs even before the placement season started. This once again proved that IIT Kharagpur is on top of corporate recruiters' minds. We hope to continue the trend through the placement season," said director PP Chakraborty.

### IIT student found hanging

Staff Reporter

A first-year student of IIT- Madras was found hanging with a clothes line inside his hostel room.

The student, Akshay Kumar, pursuing a degree in Chemical Engineering, was from Rajasthan. The reasons for the suicide are not known.

Kotturpuram police said Akshay Kumar was found dead after his roommate alerted the watchman on Friday night that he was not responding to his calls to open the room. His body was taken to Royapettah Government Hospital where he was pronounced dead on arrival. The post-mortem report confirmed the suicide. "His cellphone shows only messages sent to his father," an official said. Akshay's father, Nand Kishore Meena, took the student's body to his native place on Sunday.

IIT- Madras officials said Akshay did not leave any suicide note.

Printable version | Nov 5, 2013 2:11:31 PM | <http://www.thehindu.com/todays-paper/tp-national/iit-student-found-hanging/article5316117.ece>

© The Hindu

NBT

# 6 अप्रैल को होगा जेईई मेन एंट्रेंस

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

सीबीएसई के जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई) एपेक्स बोर्ड ने जेईई (मेन) 2014 का शेड्यूल जारी कर दिया है। जेईई मेन को पहले एआई ट्रिपल ई के नाम से जाना जाता था लेकिन पिछले साल से इसे जेईई (मेन) का नाम दिया गया था। इस एग्जाम के जरिए अंडरग्रेजुएट इंजीनियरिंग कोर्सेज में एडमिशन होता है।

एनआईटी, आईआईआईटी और केंद्र सरकार के टेक्निकल इंस्टिट्यूशन में इस एग्जाम के जरिए एडमिशन होता है। कई यूनिवर्सिटीज भी इस एग्जाम का स्कोर मानती हैं। जेईई (मेन) में स्टूडेंट्स को ऑफलाइन और ऑनलाइन एग्जाम का ऑप्शन मिलता है।

ऑफलाइन एग्जाम 6 अप्रैल 2014 को होगा जबकि ऑनलाइन या कंप्यूटर बेस्ड एग्जाम के लिए 9, 11, 12 और 19 अप्रैल की डेट फिक्स

9, 11, 12, 19 अप्रैल  
को ऑनलाइन एग्जाम  
की डेट्स

## एग्जाम पैटर्न

बीई और बीटेक के एग्जाम में फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथ्स के क्वेश्चन होंगे। सभी क्वेश्चन ऑब्जेक्टिव टाइप होंगे। तीनों सब्जेक्ट की वेटेज बराबर होगी। जेईई मेन में एक कैंडिडेट्स अधिकतम तीन बार अपीयर हो सकता है।

की गई है। बीई/ बीटेक कोर्स में एडमिशन के लिए होने वाला पेपर नंबर 1 सुबह 9:30-12:30 बजे तक होगा जबकि बीआर्क कोर्स में एडमिशन के लिए होने वाला पेपर नंबर 2 दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगा।

रजिस्ट्रेशन प्रोसेस  
ऑनलाइन

जेईई (मेन) के लिए रजिस्ट्रेशन प्रोसेस इस बार पूरी तरह से ऑनलाइन होगा। 15 नवंबर से ऑनलाइन ऐप्लीकेशन प्रोसेस शुरू हो जाएगा और लास्ट डेट 26 दिसंबर होगी। इस बार कैंडिडेट्स को कोई डॉक्युमेंट नहीं भेजने होंगे बल्कि सारा प्रोसेस ऑनलाइन होगा। जिसमें फोटो अपलोड करना, सिग्नेचर और पेमेंट ऑफ फीस भी शामिल है। jeemain.nic.in के जरिए अप्लाई किया जा सकता है। डेबिट और क्रेडिट कार्ड के जरिए फीस जमा की जा सकती है। ई चालान से भी फीस दी जा सकती है।

# जेईई मेन के लिए सिर्फ ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

सीबीएसई के जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई-मेन) 2014 का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। ऑफलाइन एग्जाम 6 अप्रैल 2014 को होगा। ऑनलाइन या कंप्यूटर बेस्ड एग्जाम 9, 11, 12 और 19 अप्रैल को होंगे। इस बार जेईई (मेन) के लिए रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरी तरह ऑनलाइन होगा। कैंडिडेट्स को कोई भी डॉक्युमेंट नहीं भेजने होंगे। डेबिट और क्रेडिट कार्ड या ई चालान के जरिए फीस जमा की जा सकती है। वेबसाइट [www.jeemain.nic.in](http://www.jeemain.nic.in) के जरिए अप्लाई किया जा सकता है। ऑनलाइन ऐप्लिकेशन प्रोसेस 15 नवंबर से शुरू हो जाएगा। इसकी आखिरी तारीख 26 दिसंबर होगी। इस जेईई (मेन) में वही कैंडिडेट्स अपीयर हो सकते हैं, जिन्होंने 2012 या 2013 में 12वीं पास की होगी। इस समय जो स्टूडेंट्स 12वीं में पढ़ रहे हैं और 2014 के बोर्ड एग्जाम में बैठेंगे, वे कैंडिडेट्स भी जेईई (मेन) के लिए अप्लाई कर सकते हैं। ▶▶ पेज 5

# आज से मंगलमय मिशन

स्पेस टेक्नॉलजी में देश आज एक मील का पत्थर छूने के लिए तैयार है। मंगल ग्रह पर अभियान के लिए उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। इसके जरिये वहां की जमीन और माहौल का अध्ययन कर जीवन के संकेत ढूँढने की कोशिश होगी। इससे भारत दुनिया को बता सकेगा कि भारी निवेश वाली स्पेस इंजीनियरिंग में वह कम खर्च में शानदार नतीजे दे सकता है।

▶▶ पेज 12



देश के पहले मंगल अभियान का मकसद इस ग्रह पर सार्थक शोध है, जिससे वहां जीवन बसाने की संभावना बन सके... आज से 20 से 30 साल बाद।

-के. राधाकृष्णन, इसरो प्रमुख

इसरो के चेयरमैन के. राधाकृष्णन के हाथों में मंगल के ऑर्बिटर का मॉडल।

## ये है अहमियत

450 3

करोड़

रुपये की लागत वाला है भारत का मंगल अभियान

एजेंसियां

(यूरोपीय स्पेस एजेंसी, अमेरिकी नासा और रूस की रॉस्कोस्मोज) ही सफल

## बहस चलती रहेगी

### विरोधी कहते हैं

- भारत जैसे लोकतंत्र में ऐसे अभियानों पर करोड़ों खर्च का बड़ा मकसद होना चाहिए
- 51 अभियान भेजे जा चुके हैं विभिन्न देशों के मंगल पर, 21 ही सफल हुए हैं
- चीन के साथ होड़ की जा रही है, कई स्पेस अभियानों में चीन को आगे देखा जा रहा है

### समर्थक कहते हैं

- स्पेस अब सिर्फ एक मंजिल नहीं, पूरी इकोनॉमी है। दुनिया भर की स्पेस इकोनॉमी 304.31 अरब डॉलर की है।
- डीटीएच से लेकर मोसम के पूर्वानुमान में सफलता की सीढ़ी स्पेस टेक्नॉलजी की बढ़ती हुई है।
- स्पेस टेक्नॉलजी में विकास से ग्लोबल विरादरी में सम्मान बढ़ेगा।

## प्लस पॉइंट्स

1. चंद्रमा पर देश के पहले मिशन चंद्रयान-1 के दौरान वहां बॉटलर के मॉलिक्यूल मिलने की पुष्टि हुई थी।
2. महज 15 महीने में मंगल मिशन पर अमल शुरू। सरकार ने इस मिशन को अगस्त 2012 में मंजूरी दी थी।
3. स्वदेशी उपकरणों वाले सैटलाइट को भारतीय वैज्ञानिक स्वदेशी रॉकेट के जरिये देश की धरती से छोड़ने वाले हैं।

## खास टेक्नॉलजी का इस्तेमाल

- इस अभियान की कुछ खास टेक्नॉलजी का इस्तेमाल दूसरे सैटलाइट्स में किया जाएगा।
1. खुद की मरम्मत की क्षमता होगा, कम से कम मानवीय हस्तक्षेप होगा
  2. पुर्जों को काफी छोटा रखा गया है, टाइम गैप हटाने को नया कम्यूनिकेशन सिस्टम
  3. सूर्य से ऊर्जा हासिल करेगा, हालांकि मंगल पर इसकी उपलब्धता काफी कम है
  4. सेंसर के जरिये पूरे ग्रह पर गीथेन की तलाश होगी, जिससे जीवन के संकेत मिलेंगे

## यूं होगा सफर शुरू

- 2:38 बजे दिन में आज श्रीहरिकोटा से छोड़ा जाएगा पीएसएलवी 25।
- 40 मिनट से ज्यादा समय लगेगा इसे पृथ्वी की कक्षा में सैटलाइट छोड़ने में।
- 20 से 25 दिन तक पृथ्वी के चारों ओर घूमेगा सैटलाइट
- 1 दिसंबर को मंगल के लिए अपनी यात्रा शुरू करेगा सैटलाइट
- 24 सितंबर 2014 को मंगल की कक्षा में पहुंच जाएगा। (पीटीआई, आईएनएस)

The Hindu

## ‘Meaningful scientific experiments’ to be conducted on the Red Planet

N. Gopal Raj



PSLV-C25 stands in the Mobile Service Tower at the Satish Dhawan Space Research centre in Sriharikota. The Mars Orbiter Mission *The Hindu* is "primarily a technology demonstration mission to demonstrate India's ability to get into the Martian orbit," remarked ISRO Chairman K. Radhakrishnan. Photo: K. Pichumani

India's first emissary to another planet, the [Mars Orbiter Mission](#), is setting off on an 11-month-long odyssey from Sriharikota on Tuesday.

Although the Indian Space Research Organisation (ISRO) has benefited from its experience with the Chandrayaan-1 lunar probe despatched five years back, the technological hurdles that must be dealt with in an interplanetary mission of this sort are still very considerable.

The Soviet Union, the U.S., Japan and China failed to get to Mars on their first attempt but the European Space Agency succeeded on its first try with the Mars Express probe that was launched 10 years ago.

The Mars Orbiter Mission is "primarily a technology demonstration mission to demonstrate India's ability to get into the Martian orbit, which is quite a challenging task," remarked ISRO Chairman K. Radhakrishnan.

"During the useful life of the orbiter, we also want to do meaningful scientific experiments."

One of the five instruments on board the orbiter is a sensor designed to pick up signs of methane — a possible marker for life, extinct or extant.

### Sharing scientific objectives

The Indian spacecraft shares some scientific objectives with America's Mars Atmosphere and Volatile Evolution mission (Maven), which will be launched in two weeks.

Sensors on both spacecraft will examine processes that have drastically thinned the Martian atmosphere, which was once thick enough to allow substantial bodies of liquid water to exist on the planet's surface.

There had been some preliminary discussions with the Indian science team, according to Bruce Jakosky of the University of Colorado in the U.S., who is MAVEN's principal investigator.

"There are some overlapping objectives and at the point that we are both in orbit collecting data, we plan to work together with the data," Dr. Radhakrishnan said during a recent press briefing.

HT Kolkata

# Giant leap: India to launch its maiden Mars mission today

**INTERPLANETARY TRAVEL** The spacecraft will remain in the trans-Martian orbit for nearly 300 days before finally entering the Mars orbit on September 24, 2014

**Vanita Srivastava**

■ vanita.shrivastava@hindustantimes.com

**SRIHARIKOTA (AP):** India will take its next major step forward in the space programme after the successful launch of Chandrayaan-1 in 2008, when scientists of Indian Space Research Organisation (Isro) launch their maiden mission to Mars on November 5, at 0238 pm from the Satish Dhawan Space Centre in Sriharikota, Andhra Pradesh.

PSLV-C25, the 25th mission of PSLV and fifth in the XL configuration, will carry the 1,337 kg Mars Orbiter Satellite into a 250 km X 23,500 km elliptical orbit. The cost of the mission is ₹450 crore.

The 56 hours 30 minutes countdown for the launch had started on Sunday at 06.08am.

The coasting phase between the third stage (PS3) burn-out and the fourth-stage (PS4) ignition is longer for this mission. The total flight duration before the Orbiter is injected is nearly 40 minutes. This is longer than the average time of 20 minutes for earlier spacecrafts.

Isro chairman Dr K Radhakrishnan says: "There are several technological and scien-



■ The Polar Satellite Launch Vehicle (PSLV - C25) at the Satish Dhawan Space Centre at Sriharikota.

AP PHOTO

tific challenges in this mission. This is India's first interplanetary mission. We had to calibrate our hardware to withstand a territory not experienced before."

The spacecraft will move from the earth's sphere of influence and go to the heliocentric (sun-centric) orbit on December 1, 2013 at 0042 hours. It will remain in the trans-Martian orbit for nearly 300 days before finally entering the Mars orbit on September 24, 2014. It will then have to be re-oriented and slowed down to enter the Martian orbit or else it will vanish.

The Orbiter has five indigenously-designed payloads to carry different scientific experiments once it reaches the Martian atmosphere. The Methane Sensor is specifically designed to measure methane and map its sources on Mars.

One of the main objectives of this mission is to develop technologies required for design, planning, management and operations of an interplanetary mission.

The launch window for the MOM mission is from October 28, 2013 to November 19, 2013.

## SCIENTISTS INVOKE GOD

**SRIHARIKOTA (AP):** For Isro, it has been a tradition to visit the Tirupati temple before any major launch.

Isro chairman Dr K Radhakrishnan also visited Tirupati on Sunday to seek the blessings for a successful launch of the Mars Orbiter Mission.

Former Isro chairman G Madhavan Nair told HT, "This has been a tradition. I had also gone to Tirupati before the Chandrayaan mission."

But beyond this do superstitions have a hold among the scientists?

"Not really. I read a page of Bhagawad Gita daily and will do so on Tuesday also," says Mylswamy Annadurai, the project director of Chandrayaan 1 and Chandrayaan 2 projects.

HTC

# New language translator converts signs into speech

**Press Trust of India**

■ [letters@hindustantimes.com](mailto:letters@hindustantimes.com)

**NEW YORK:** US software giant Microsoft has developed a new cost-effective sign language translator that converts signs into spoken and written language - and vice versa.

In collaboration with researchers in China, Microsoft created the Kinect Sign Language Translator, a prototype system that understands the gestures of sign language and converts them to spoken and written language and vice versa.

The translator uses a computer and a Kinect camera that recognises signing gestures, then gives a spoken and written translation of languages for people who can hear.

The system captures a conversation from both sides: the deaf person is shown signing, with a written and spoken translation being rendered in real-time, while the system takes the hearing person's spoken

words and turns them into accurate, understandable signs.

The system takes a person's spoken words and translate them into accurate signs carried out by an on-screen avatar. Originally developed for gaming, the Kinect's sensors read a user's body position and movements and, with the help of a computer, translate them into commands.

It has tremendous potential for understanding the complex gestures that make up sign language and for translating the signs into spoken or written words and sentences.

"We knew that information technology, especially computer technology, has grown up very fast. So from my point of view, I thought this is the right time to develop some technology to help (the deaf community)," said Professor Xilin Chen, deputy director of the Institute of Computing Technology at the Chinese Academy of Sciences.

# Robotics workshop by IIT-Kgp

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

**KOLKATA:** IIT-Kharagpur organised a workshop on robotics at the GD Birla Sabhagar on October 27 as part of Kshitij, IIT-Kgp's techno-management fest that will be held between January 31 and February 3, 2014. The fest will have prizes up to R60 lakh.

The workshop commenced with a documentary on the previous edition of Kshitij. Ramendra Prasad and Himanshu Hitesh Das, general secretaries of Technology of IIT Kharagpur, gave a preview of the various events to be held in the fest.

The workshop was organised so that technically inclined students can clear their doubts on robotics and take up research in field of science and technology. The workshop helped the participants with lessons on manual, autonomous and computer vision robotics by organising interactive sessions and quizzes.

The techno-management fest will offer a plethora of technical and management events, exhibitions, guest lectures and workshops in its forthcoming eleventh edition.

"Twelve hundred students from 30 colleges got hands-on training in robot making at the workshop.



Students who came from non-robotics background were given information and taught robotics by third and fourth year students of Technology Robotix Society, IIT Kharagpur," said Akarshan Gupta, core team member, Kshitij.

"This workshop served as a curtain raiser for our fest next year. For past several years, IIT-Kharagpur has been organising this workshop and the fest," added Gupta.



Nagpur Today, Nov. 5

## UGC revokes decision on 21,000 candidates

The University Grants Commission (UGC), in a crucial move, has revoked its own decision holding 21,000 candidates ineligible for erasing and then correcting their answers by hand during the June NET Examination. The 21,000 candidates had resorted to changing and correcting their answers by erasing or using shining ink during the NET Examination in June 2013. The UGC had held the candidates ineligible for indulging in wrong procedure to correct or change their answers.

The 21,000 candidates had strongly protested the UGC decision holding them ineligible for the NET. The strong protest forced the UGC to revoke its own decision and provide the much needed relief to the candidates. The UGC will now deduct the marks of the erased or corrected answers and declare the results accordingly. However, the UGC has warned that the candidates would be held ineligible if the answers are erased or changed by utilizing the shining ink in future.

According to a statement issued by the UGC, the revoking of the decision was done after considering the large number of candidates and no specific mention of the ineligibility in the rules and regulations of the examination.

### Teachers want debate on amendment to UGC Act

Special Correspondent

*AUT urges UGC to circulate draft proposal among all stakeholders*

The Association of University Teachers (AUT) has appealed to the University Grants Commission (UGC) to circulate a draft proposal for amendments to the UGC Act, 1956, on the basis of which the public can interact without any hassle.

Claiming that stakeholders in higher education were shocked at the notice to the public issued by the UGC to suggest amendments to the UGC Act before November 15, AUT vice-president K. Pandiyan said in a statement on Monday that it was imperative on the part of the UGC to "come out transparently" on the need for amendments and the aspects on which the UGC expert committee sought views and suggestions from the public.

The public notice said the expert committee constituted under R.P. Agrawal, former Secretary, Higher Education, Ministry of Human Resource Development, to take a comprehensive look into the existing provisions of the UGC Act and suggest amendments had invited views and suggestions from stakeholders, including Vice-Chancellors, faculty and non-faculty members of universities, colleges, and other institutions of higher education, parents, and members of the public.

The notice, the statement said, had no reference to the source of and purpose for this cause of action by the UGC and stakeholders were "perplexed over the compulsions" for the apex body to seek amendments to the existing Act.

The AUT said that stakeholders were suspicious that the UGC was trying to establish as many universities as possible, in line with the suggestion of the National Knowledge Commission, by "circumventing the legal requirement of an Act of the Assembly or Parliament" to establish a university. Through the amendments, it was attempting to enable creation of a different class of colleges, which would be colleges in structure and universities in action.

Referring to the move to upgrade autonomous colleges with potential for excellence, with "A Grade from the National Assessment and Accreditation Council", as degree conferring institutions, the AUT pointed out that the existing Act did not empower a college to confer degrees.

Keywords: [Association of University Teachers](#), [University Grants Commission](#), [1956 UGC Act](#), [K. Pandiyan](#), [1956 UGC Act amendments](#)

Printable version | Nov 5, 2013 2:09:03 PM | <http://www.thehindu.com/news/cities/Tiruchirapalli/teachers-want-debate-on-amendment-to-ugc-act/article5316681.ece>

बेहतरी के लिए

विदेशी इंस्टिट्यूट्स के साथ मिलकर जॉइंट कोर्स चलाने के लिए नए नियम लागू

# हर कोई नहीं बांट सकेगा विदेशी डिग्री

## ■ भूपेंद्र, नई दिल्ली

विदेशी शिक्षा संस्थाओं के साथ मिलकर देश में ही विदेशी डिग्रियां बांटने वाले कॉलेजों की लगाम यूजीसी ने कस दी है। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन (यूजीसी) ने इस तरह के टाइप के लिए कड़े नियम लागू कर दिए हैं।

अब सिर्फ वही विदेशी इंस्टिट्यूट भारत में डिग्री बांट सकेंगे, जिसे अपने देश में टॉप ग्रेड मिला होगा। भारत में भी हर कोई इंस्टिट्यूट अब विदेशी कोर्स नहीं पढ़ा सकेगा। सिर्फ उन्हीं संस्थानों को ऐसा करने की इजाजत होगी, जो कम से कम बी ग्रेड के होंगे। जो कॉलेज या यूनिवर्सिटी अभी विदेशी संस्थानों के साथ मिलकर कोर्स ऑफर कर रहे हैं, उन्हें छह महीने के अंदर नए नियमों के मुताबिक बदलाव करने होंगे।

नए नियमों के मुताबिक, अगर कोई इंडियन और फॉरेन यूनिवर्सिटी अकैडमिक कोर्स को लेकर टाइप करना चाहती है तो पहले यूजीसी से अप्रूवल लेना होगा। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने नेशनल लेवल की अक्रीडिटिंग एजेंसी (नैक) को मान्यता दी है। अब यूजीसी ने भी साफ कर दिया है कि देश के सभी एजुकेशनल इंस्टिट्यूट्स को नैक से मान्यता लेनी



Manish Verma

होगी। ऐसा न करने वाले संस्थानों की ग्रांट रोकी जा सकती है। अभी जेएनयू को नैक से टॉप मान्यता मिली है। आईपी यूनिवर्सिटी को भी ए ग्रेड मिला है। वहीं डीयू को अभी नैक से अप्रूवल लेना है। डीयू और उसके कई टॉप कॉलेज विदेशी यूनिवर्सिटीज से टाइप की तैयारी में हैं। यूजीसी का मानना है कि नए नियमों से जॉइंट डिग्री का स्टैंडर्ड बढ़ेगा।

## अब तक क्या

- विदेशी यूनिवर्सिटी से टाइप करने वाले भारतीय संस्थानों के लिए अब तक कोई नियम नहीं थे
- कोई भी कॉलेज किसी भी विदेशी संस्थान के साथ मिलकर जॉइंट डिग्री ऑफर करने लगते थे
- इसमें यह नहीं देखा जाता था कि भारतीय और विदेशी संस्थान किस रैंक के हैं

## आगे क्या

- सिर्फ वही विदेशी संस्थान भारत में मिलकर जॉइंट डिग्री बांट सकेंगे, जो अपने देश में टॉप ग्रेड के होंगे
- भारत के भी वही कॉलेज या यूनिवर्सिटी विदेशी संस्थानों से टाइप कर सकेंगे, जो ए या बी ग्रेड के होंगे
- यह ग्रेडिंग नेशनल लेवल की अक्रीडिटिंग एजेंसी (भारत में नैक) से ही लेनी होगी, अन्य किसी से नहीं

## ...वरना डीयू की विदेशी डिग्री भी बेकार

यूजीसी के नए नियमों के मुताबिक, विदेशी संस्थानों के साथ मिलकर कोर्स ऑफर करने वाले इंस्टिट्यूट और यूनिवर्सिटी को नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडिटेशन काउंसिल (नैक) से अप्रूवल लेना अनिवार्य होगा। यहां तक कि डीयू और इसके कॉलेजों ने भी नैक से अप्रूवल नहीं लिया है। इन सभी को छह महीने में अप्रूवल लेना होगा, वरना उनके फॉरेन जॉइंट डिग्री कोर्स पर सवाल खड़े होंगे।

**किस आधार पर ग्रेडिंग :** नैक कॉलेज और यूनिवर्सिटीज के इन्फ्रास्ट्रक्चर, कोर्सज, क्लासरूम टीचिंग, मॉडर्न टेक्नॉलजी, टीचर-स्टूडेंट्स रेश्यो, सिलेबस आदि।

# भारतीयों के लिए 3 लाख के बॉन्ड वाली शर्त खत्म

■ विशेष प्रतिनिधि, नई दिल्ली

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री डेविड कैमरन और प्रिंस चार्ल्स के भारत आने के पहले ब्रिटेन ने एक अहम फैसला लेते हुए कहा है कि भारतीयों के लिए पौने 3 लाख रुपये (3 हजार पाउंड) में वीजा जारी करने की योजना लागू नहीं होगी। ब्रिटिश सरकार के इस फैसले पर टिप्पणी करते हुए यहां ब्रिटेन के उच्चायुक्त जेम्स बेवन ने कहा कि ब्रिटेन भारत से प्रतिभाशाली युवकों के लिए आकर्षक बना रहना चाहता है। जेम्स बेवन ने कहा कि सबसे होनहार और सर्वश्रेष्ठ लोग ब्रिटेन जाएं और वहां विकास और रोजगार को बढ़ावा दें।

उच्चायुक्त ने कहा कि अगर आप विदेशी व्यापारी हैं और ब्रिटेन में निवेश और व्यापार करना चाहते हैं तो ब्रिटेन के दरवाजे आपके लिए खुले हैं। ब्रिटेन को इससे दुनिया में होड़ करने में मदद मिलेगी। ब्रिटेन में हजारों भारतीय प्रतिभाशाली छात्र या फिर हजारों पर्यटक ब्रिटेन के विश्व स्तर के पर्यटक स्थलों को देखने जाना चाहते हैं। ब्रिटेन उन सबके लिए खुला है।

ब्रिटिश सरकार ने कहा है कि ब्रिटेन आव्रजन नियमों को तोड़ने वालों से सख्ती से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। इस इरादे से ब्रिटेन की सरकार कई विकल्पों पर विचार कर रही है। इन विकल्पों में ब्रिटेन आने वालों को वीजा जारी करने के लिए वित्तीय बॉन्ड जारी करना था। ब्रिटिश सरकार ऐसा इसलिए करना चाहती थी कि ब्रिटेन जाने वाले लोग वीजा की अवधि से ज्यादा वक्त तक नहीं रुकें। लेकिन अब ब्रिटेन की



**कैमरन और प्रिंस चार्ल्स के भारत दौरे से पहले लिया अहम फैसला**

सरकार ने इस विकल्प को लागू नहीं करने का फैसला किया है।

जून में हुआ था स्कीम का ऐलान 3 हजार पाउंड की लौटाने वाली रकम देकर वीजा बनवाने की नीति की घोषणा ब्रिटिश सरकार ने पिछले जून महीने में की थी। यह योजना इस महीने से लागू होने वाली थी। ब्रिटेन की कैबिनेट में इस मसले को लेकर विरोध चल रहा था। ब्रिटेन के उपप्रधानमंत्री निक क्लेग ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि वह इसे पारित नहीं होने देंगे। ब्रिटेन ने बॉन्ड-वीजा की नीति भारत के अलावा पाकिस्तान, नाइजीरिया जैसे देशों के नागरिकों के लिए लागू करने का ऐलान किया था। ब्रिटेन का कहना था कि इन देशों से लोग ब्रिटेन आकर वहीं बस जाते हैं जिन्हें वापस जाने को बाध्य करने के लिए तीन हजार पाउंड की वीजा योजना लागू की जाएगी।